UP Board Notes Class 6 Hindi | मूर्खसेवकः (लङ्लकारः) Åअनिवार्य संस्कृत)

एकस्मिन नगरे ..... दूरतः एव त्याज्याः

हिन्दी अनुवाद – किसी नगर में एक राजा था। उसके राजमहल में कई जानवर और पशु थे। वे सब राजा की सेवा किया करते थे। उन पशुओं में एक बन्दर भी था; जो राजा का प्रिय था। एक बार की बात है, राजा सोया था। वह बन्दर उसे पंखा झल रहा था; हठात् एक मक्खी आकर राजा की नाक पर बैठ गई। बन्दर बार-बार उसे पंखे से उड़ा देता; तथापि वह वहीं आकर बैठ जाती। इससे बन्दर को बहुत गुस्सा आया। उसने मक्खी को मारने के लिए तलवार चला दी। मक्खी तो उड़ गई; लेकिन राजा की नाक कट गई; फलतः मूर्ख सेवकों को अपने से दूर ही रखना अर्थात् त्याग देना चाहिए।

https://www.evidyarthi.in/